कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट(PPR)

(समाज विज्ञान विद्याशाखा)

अर्थशास्त्र (स्नातकोत्तर)

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programmer's Mission & Objectives)- इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है - ' शिक्षा आपके द्वार'। यह उन लोगों को उच्च शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ती है, जो लोग व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक व भौगोलिक जैसे कई कारणो से उच्च शिक्षा प्राप्त नही कर सके है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को उन दूरस्थ ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों तक पहुँचाना है, जहाँ आज के आधुनिक युग मे भी परम्परागत (संस्थागत) शिक्षा व्यवस्था का अभाव पाया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य- स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम में चयनित शिक्षार्थीयों में अर्जित दक्षता द्वारा ज्ञान और कर्म-कौशल का विस्तार, बेहतर ज्ञान और कर्म कौशल के आधार पर वांछनीय सामाजिक उपयोगिता का सूत्रपात, भावी विशेषज्ञ के अध्ययन की भूमिका का निर्धारण कराना, अखिल भारतीय और उत्तराखण्ड प्रशासनिक सेवाओं में चयन की सामर्थ्य का विकास और बेहतर व्यावसायिक एवं रोजगार परक स्थितियों का उन्नयन करना हैं। इसके साथ-साथ विविध गैर-सरकारी संगठनों में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं के लिए उपयोगी तथा विश्व बैंक सहित विविध अन्तराष्ट्रीय संगठनों के लिए परियोजना निर्माण की दक्षता का निर्धारण कराना हैं।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता (Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals)- इस कार्यक्रम के द्वारा, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थी में विभिन्न कलाओं, शिल्पों व कुशलताओं आदि में विस्तार किया जाता है ताकि वे अर्जित की गई विभिन्न कलाओं, शिल्पों व कुशलताओं के द्वारा रोजगारपरक बनते है। इसके साथ-साथ यह कार्यक्रम उन मानव संसाधनों के लिए एकमात्र साधन है, जो रोजगार करने के साथ-साथ अपनी उच्च शिक्षा व कुशलताओं का विकास करना चाहते है। यह कार्यक्रम उन शिक्षार्थीयो के लिये महत्वपूर्ण है जो शिक्षार्थी अर्थशास्त्र के विभिन्न आयामों के विषय में ज्ञान प्राप्त करके विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा व अनुसंधान के लिए न्यूनतम अर्हता प्राप्त करना चाहते हैं।

लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of Prospective target Group of Learners)- इस कार्यक्रम का लक्षित शिक्षार्थी समूह वह व्यक्ति है जो विभिन्न व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक व भौगोलिक कारणो से उच्च शिक्षा प्राप्त नही कर सके है एवं विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के द्वारा ज्ञान अर्जित करने एवं उसका विस्तार करने हेतु प्रयासरत हैं। इस कार्यक्रम के द्वारा ना केवल दूरस्थ क्षेत्रों को केन्द्रित किया गया है, बल्कि उन जनमानस को भी इसमें सम्मिलित किया गया है, जो अधिक आयु हो जाने के कारण औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते है।

मुक्त एवमं दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम की उपयुक्ता (Appropriateness of Programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence)- शिक्षार्थी अर्थशास्त्र में स्नातक होने के उपरान्त अर्थशास्त्र के

क्षेत्र में विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए न्यूनतम अर्हता अर्जित कर लेता है। अनुसंधान करने के लिए योग्य हो जाता है। अर्थशास्त्र के अध्ययन के उपरान्त शिक्षार्थी देश व विदेश की अर्थव्यवस्था के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष का भी ज्ञान प्राप्त कर लेता है। एक कुशल अर्थशास्त्री के तौर पर समाज में अपनी सेवाऐं प्रदान कर सकता है।

निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design)- अर्थशास्त्र विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय (चार सेमेस्टर) पाठ्यक्रम को सेमेस्टर प्रणाली (Semester system) के आधार पर चलाया गया है, जिसमें प्रत्येक सेमेस्टर के प्रश्न-पत्रों को खण्डों और इकाईयों में विभक्त किया गया है। तथा प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 4 श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं, अत: स्नातकोत्तर विषय में चार सेमेस्टर में 18 प्रश्न-पत्रों में 72 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते हैं। प्रत्येक प्रश्न-पत्र में न्यूनतम दो और अधिकतम चार खण्ड है और इन खण्डो में न्यूनतम तीन और अधिकतम सात इकाईयां हैं।

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में **आठ** प्रश्न-पत्र {**प्रथम सेमेस्टर** (चार प्रश्न-पत्र) – आर्थिक सिद्धान्त की मूल अवधारणाएँ एवं उपभोक्ता व्यवहार (Basic Concepts of Economic Theory and Consumer Behaviour); समष्टि अर्थशास्त्र (Macro Economics); भारतीय अर्थव्यवस्था:- मुद्दे एवं वित्तीय सम्बन्ध (Indian Economy:- Issues and Financial Relations); अर्थशास्त्र में गणित के प्रयोग (Applications of Mathematics in Economics) **द्वितीय सेमेस्टर** (चार प्रश्न-पत्र) – उत्पादन और मूल्य निर्धारण का अर्थशास्त्र (Economics of Production and Pricing); मुद्रा एवं बैंकिग (Money and Banking); भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र एवं विदेशी व्यापार (Sectors of Indian Economy and Foreign Trade); सांख्यिकीय विधियाँ (Statistical Methods)} एवं द्वितीय वर्ष में **दस** प्रश्न–पत्र {**तृतीय सेमेस्टर** (पाँच प्रश्न-पत्र) – आर्थिक विकास (Economic Development); लोक वित्त (Public Finance); अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के सिद्धान्त (Theories of International Economics); कृषि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त (Theories of Agricultural Economics); जनांकिकी (Demography) **चतुर्थ सेमेस्टर** (पाँच प्रश्न-पत्र) – आर्थिक संवृद्धि एवं नियोजन (Economic Growth and Planning); राजकोषीय अर्थशास्त्र और संघीय वित्त (Fiscal Economics and Federal Finance); अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और संस्थान (International Trade and Organizations); भारतीय कृषि (Indian Agriculture); जनसांख्यिकी के मुद्दे (Issues of Demographic)} है। स्नातकोत्तर स्तर पर अर्थशास्त्र कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम छ: वर्ष है। अर्थशास्त्र संकाय के लिए सहायक अकादमिक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक की आवश्यकता है। अर्थशास्त्र में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वयं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। अध्ययन सामग्री को छात्रों तक किताबों के माध्यम के साथ-साथ आनलाईन, ऑडियो-विडियो के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाता है।

एम0ए0 प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)	
प्रथम प्रश्न-पत्र-	**द्वितीय प्रश्न-पत्र-**
(एमएईसी -501)आर्थिक सिद्धान्त की मूल अवधारणाएँ एवं उपभोक्ता व्यवहार **(MAEC-501) (Basic Concepts of Economic Theory and Consumer Behaviour)** **खण्ड – 1 परिचय (Introduction)** इकाई 1- आर्थिक सिद्धान्त का स्वरूप (Nature of Economic Theory) इकाई 2- व्यष्टिपरक अर्थशास्त्र तथा समष्टि परक अर्थशास्त्र (Micro Economics and Macro Economics) इकाई 3-आर्थिक स्थैतिकी, प्रावैगिकी तथा सामान्य संतुलन विश्लेषण (Economic Statics, Dynamics and General Equilibrium Analysis) **खण्ड – 2 कल्याणकारी अर्थशास्त्र (Welfare Economics)** इकाई 4- कल्याणकारी अर्थशास्त्र और पीगू की अवधारणा (Welfare Economics and Pigouvian Concept) इकाई 5- परेटो का कल्याणकारी अर्थशास्त्र (Paretian Welfare Economics) इकाई 6- नवीन कल्याणकारी अर्थशास्त्र (New Welfare Economics) इकाई 7- सामाजिक कल्याण फलन (Social Welfare Function) **खण्ड – 3 उपभोक्ता व्यवहार 1 (Consumer Behaviour-1)** इकाई 8- गणनात्मक तुष्टिगुण विश्लेषण (Cardinal Utility Analysis) इकाई 9- माँग एवं पूर्ति का नियम (Law of Demand and Supply) इकाई 10- माँग एवं पूर्ति की लोच (Elasticity of Demand and Supply) इकाई 11- उपभोक्ता की बचत (Consumer Surplus) **खण्ड – 4 उपभोक्ता व्यवहार 2 (Consumer Behaviour-2)** इकाई 12- अनधिमान वक्र विश्लेषण (Indifference Curve Analysis) इकाई 13- आय, प्रतिस्थापन तथा कीमत प्रभाव (Income, Substitution and Price Effect) इकाई 14- अनधिमान वक्रों का अनुप्रयोग (Applications of Indifference Curves) इकाई 15- उद्घाटित अधिमान विश्लेषण (Revealed Preference Analysis)	**(एमएईसी -502) समष्टि अर्थशास्त्र** **(MAEC-502) (Macro Economics)** **खण्ड – 1 परिचय (Introduction)** इकाई 1- समष्टि अर्थशास्त्र की प्रकृति और तकनीक (Nature and Techniques of Macro Economics) इकाई 2- समष्टि स्थैतिक और समष्टि गतिकी (Macro Statics and Macro Dynamics) इकाई 3- समष्टि अर्थशास्त्र की बुनियादी अवधारणाएं (Basic Concepts of Macro Economics) **खण्ड – 2 राष्ट्रीय आय (National Income)** इकाई 4- राष्ट्रीय आय:- अवधारणा एवं परिभाषाएँ (Concept and Definitions of National Income) इकाई 5- राष्ट्रीय आय की संरचना (Structure of National Income) इकाई 6- राष्ट्रीय आय:- मापन एवं समस्याएं (National Income:- Measurement and Problems) इकाई 7- राष्ट्रीय आय का सामाजिक लेखांकन एवं कल्याण (Social Accounting and Welfare of National Income) **खण्ड – 3 समष्टि आर्थिक सिद्धान्त (Macro Economic Theories)** इकाई 8- प्रतिष्ठित सिद्धान्त (Classical Theory) इकाई 9- केन्सीयन सिद्धान्त (Keynesian Theory) इकाई 10- उपभोग फलन एवं सिद्धान्त (Consumption Function and Theories) इकाई 11- विनियोग फलन (Investment Function) इकाई 12- गुणक एवं त्वरक का सिद्धान्त (Theory of Multiplier and Accelerator) **खण्ड – 4 आर्थिक उच्चावचन के सिद्धान्त (Theory of Economic Fluctuations)** इकाई 13- व्यापार-चक्र, व्यापार-चक्र का मौद्रिक सिद्धान्त (Trade Cycles, Monetary Theory of Trade Cycle) इकाई 14- गुणक त्वरक अन्तर्क्रिया एवं सैम्युल्सन का व्यापार-चक्र सिद्धान्त (Multiplier-Accelerator Interaction and Trade Cycle Theory of Samuelson) इकाई 15- हिक्स का व्यापार-चक्र सिद्धान्त (Hicksian Theory of Trade Cycle) इकाई 16- काल्डॉर का व्यापार-चक्र सिद्धान्त (Trade Cycle Theory of Kaldor)

एम0ए0 प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)	
तृतीय प्रश्न-पत्र-	**चतुर्थ प्रश्न-पत्र-**
(एमएईसी -503) भारतीय अर्थव्यवस्था:- मुद्दे एवं वित्तीय सम्बन्ध **(MAEC-503) (Indian Economy:- Issues and Financial Relations)**	**(एमएईसी -504) अर्थशास्त्र में गणित के प्रयोग** **(MAEC-504) (Applications of Mathematics in Economics)**
खण्ड – 1 भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economy) इकाई 1- भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं (Characteristics of Indian Economy) इकाई 2- राष्ट्रीय आय और भारतीय अर्थव्यवस्था (National Income and Indian Economy) इकाई 3- जनसंख्या, मानवीय संसाधन और भारतीय अर्थव्यवस्था (Population, Human Resources and Indian Economy) इकाई 4-प्राकृतिक संसाधन और भारतीय अर्थव्यवस्था (Natural Resources and Indian Economy) इकाई 5- अधो-संरचना और भारतीय अर्थव्यवस्था (Infrastructure and Indian Economy) **खण्ड – 2 पंचवर्षीय योजनाएं एवं आर्थिक विकास की समस्याएं (Five Year Plans and Problems of Economic Development)** इकाई 6- आर्थिक नियोजन की प्रासंगिकता एवं योजना निर्माण प्रकिया (Relevance of Economic Planning and Process of Planning) इकाई 7- आर्थिक नियोजन की उपलब्धियाँ (ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना तक) (Achievements of Economic Planning (Till the Eleventh Five Year Plan)) इकाई 8- गरीबी (Poverty) इकाई 9- बेरोजगारी (Unemployment) इकाई 10- समानान्तर अर्थव्यवस्था (Parallel Economy) **खण्ड – 3 वित्तीय सम्बन्ध (Financial Relations)** इकाई 11- भारतीय लोक वित्त (Indian Public Finance) इकाई 12- केन्द्र और राज्यों के मध्य वित्तीय सम्बन्ध (Financial Relations between Center and State) इकाई 13- भारतीय मौद्रिक प्रणाली (Indian Monetary System) इकाई 14- भारतीय मौद्रिक क्षेत्र संरचना (Structure of Indian Monetary Sector)	**खण्ड – 1 आर्थिक गणितीय विधियाँ –I (Mathematical Economic Methods-I)** इकाई 1- वास्तविक अंक प्रणाली एवं समुच्चय (Real Number System and Set Relation) इकाई 2- फलन :- अवधारणा और अनुप्रयोग (Function:- Concept and Application) इकाई 3- अवकलन:-निर्वचन एवं नियम (Differentiation: Calculation and Rules) इकाई 4- लघुगुणकीय अवकलन, आंशिक अवकलन एवं आर्थिक प्रयोग (Logarithmic Differentiation, Partial Differentiation and its Economic uses) **खण्ड – 2 आर्थिक गणितीय विधियाँ –II (Mathematical Economic Methods-II)** इकाई 5- समाकलन:- अवधारणा एवं निर्वचन (Integration:- Concept and Interpretation) इकाई 6- समाकलन का आर्थिक प्रयोग (Economic uses of Integration) इकाई 7- आव्यूह (मैट्रिक्स) (Matrix) इकाई 8- सारणिक (Determinants) **खण्ड – 3 आर्थिक गणितीय विधियाँ -III (Mathematical Economic Methods-III)** इकाई 9- आगत-निर्गत सारणी विश्लेषण (Analysis of Input-Output Tables) इकाई 10- रैखिक प्रोग्रामिंग(Liner Programming) इकाई 11- अनुकूलतम समीकरण:- निर्वचन एवं प्रयोग (Optimal Equation: Interpretation and Uses) इकाई 12- द्विघात समीकरण (Quadratic Equation) **खण्ड – 4 अंतर सम्बन्धी अवधारणा (Concept of Differential)** इकाई 13- संगामी उत्पादन फलन और प्रमेय (Concurrent Production Function and Theorem) इकाई 14- काब-डगलस उत्पादन फलन (Cobb-Douglas Production Function) इकाई 15- द्वितीय चरण अंतर सम्बन्धी समीकरण (Second Order Difference Equation)

एम0ए0 प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)	
प्रथम प्रश्न-पत्र-	**द्वितीय प्रश्न-पत्र-**
(एमएईसी -505) उत्पादन और मूल्य निर्धारण का अर्थशास्त्र **(MAEC-505) (Economics of Production and Pricing)** **खण्ड – 1 उत्पादन सिद्धान्त (Theory of Production)** इकाई 1- उत्पादन का सिद्धान्तः एक परिवर्तनशील साधन में उत्पादन (Theory of Production: Production with one Variable Factor) इकाई 2- उत्पादन का सिद्धान्तः दो परिवर्तनशील साधन में उत्पादन (Theory of Production: Production with two Variable Factors) इकाई 3- अनुकूलतम साधन संयोग (Optimum Factor Combination) इकाई 4- लागत वक्र विश्लेषण (Cost Curve Analysis) इकाई 5- आगम वक्र विश्लेषण (Revenue Curve Analysis) **खण्ड – 2 बाजार संरचना के विभिन्न प्रकारों के अंतर्गत कीमत और उत्पादन निर्धारण (Determination of Price and Production under Different types of Market Structure)** इकाई 6- बाजार संरचना एवं फर्म का संतुलन विश्लेषण (Market Structure and Analysis of Firm Equilibrium) इकाई 7- पूर्ण प्रतियोगिता (Perfect Competition) इकाई 8- एकाधिकार (Monopoly) इकाई 9- एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता अथवा अपूर्ण प्रतियोगिता (Monopolistic or Imperfect Competition) इकाई 10- अल्पाधिकार (Oligopoly) **खण्ड – 3 साधन कीमत निर्धारण सिद्धान्त (Theory of Factor Price Determination)** इकाई 11- पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत साधन कीमत निर्धारण (Factor Pricing under Perfect Competition) इकाई 12- अपूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत साधन कीमत निर्धारण (Factor Pricing under Imperfect Competition) इकाई 13- मजदूरी के सिद्धान्त (Theories of Wage) इकाई 14- लगान के सिद्धान्त (Theories of Rent) इकाई 15- ब्याज के सिद्धान्त (Theories of Interest) इकाई 16- लाभ के सिद्धान्त (Theories of Profit)	**(एमएईसी - 506) मुद्रा और बैंकिंग** **(MAEC- 506) (Money and Banking)** **खण्ड – 1 मुद्रा:- परिचय, मुद्रा स्फीति एवं मौद्रिक नीति (Money:- Introduction, Inflation and Monetary Policy)** इकाई 1- मुद्रा का परिचय (Introduction of Money) इकाई 2- मुद्रा स्फीति:- प्रकार, प्रभाव एवं नियंत्रण (Inflation:- Types, Effects and Control) इकाई 3- मुद्रा स्फीति एवं बेरोजगारी (Inflation and Unemployment) इकाई 4- मौद्रिक नीति के यंत्र (Tools of Monetary Policy) इकाई 5- विकासशील देशों में मौद्रिक नीति की भूमिका (Role of Monetary Policy in Developing Countries) **खण्ड – 2 मुद्रा माँग सिद्धान्त (Theories of Demand for Money)** इकाई 6- मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त (Quantity Theory of Money) इकाई 7- मुद्रा परिमाण का आधुनिक सिद्धान्त (Modern Quantity Theory of Money) इकाई 8- कीन्स का मुद्रा माँग तथा ब्याज दर का सिद्धान्त (Keynesian Theory of Demand for Money and Rate of Interest) इकाई 9- मुद्रा की माँग का केन्सोत्तर सिद्धान्त (Post-Keynesian Theory of Demand for Money) इकाई 10-IS-LM वक्र प्रारूप (IS-LM Curve Model) **खण्ड – 3 बैंकिग एवं मुद्रा पूर्ति (Banking and Money Supply)** इकाई 11- केन्द्रीय बैंक (Central Bank) इकाई 12- वाणिज्यिक बैंकिग (Commercial Banking) इकाई 13- साख:- नियन्त्रण एवं सृजन (Credit:- Creation and Control) इकाई 14- मुद्रा पूर्ति के अवयव (Components of Money Supply)

एम0ए0 प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)	
तृतीय प्रश्न-पत्र-	**चतुर्थ प्रश्न-पत्र-**
(एमएईसी - 507) भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र एवं विदेशी व्यापार **(MAEC- 507) (Sectors of Indian Economy and Foreign Trade)**	**(एमएईसी - 508) संख्यिकीय विधियाँ** **(MAEC- 508) (Statistical Methods)**
खण्ड – 1 भारतीय कृषि क्षेत्र (Indian Agricultural Sector)	**खण्ड – 1 आँकड़ों के संकलन एवं प्रस्तुतीकरण (Collection and Presentation of Data)**
इकाई 1- भारतीय कृषि की प्रकृति एवं महत्व (Nature and Importance of Indian Agriculture)	इकाई 1- आँकड़ों के संकलन, संपादन एवं वर्गीकरण की विधियाँ (Methods of Data Collection, Editing and Classification)
इकाई 2- कृषि आगत (Agricultural Input)	इकाई 2- आँकडों के प्रस्तुतीकरण की बिन्दुरेखीय विधियाँ (Graphical Methods of Data Presentation)
इकाई 3- भूमि सुधार एवं नवीन कृषि रणनीति (Land Reforms and New Agricultural Strategies)	इकाई 3- आँकडों के प्रस्तुतीकरण की ग्राफीय विधियाँ (Diagrammatic Methods of Data Presentation)
इकाई 4- कृषि/ग्रामीण वित्त एवं कृषि विपणन (Agriculture/Rural Finance and Agricultural Marketing)	**खण्ड – 2 केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप, अपकिरण, विषमता, परिघात तथा पृथुषीर्शत्व (Measures of Central Tendencies, Dispersion, Skewness, Moments and Kurtosis)**
इकाई 5- कृषि मूल्य नीति, खाद्य सहायता और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (Agricultural Price Policy, Food Subsidy and Public Distribution System)	इकाई 4- केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें (Measures of Central Tendencies)
इकाई 6- भारतीय कृषि और विश्व व्यापार संगठन (Indian Agriculture and World Trade Organization)	इकाई 5- अपकिरण तथा उसकी मापें (Dispersion and its Measures)
इकाई 7- भारतीय कृषि आयकर और कृषि श्रम (Indian Agriculture, Income Tax and Agricultural Labour)	इकाई 6- विषमता (Skewness)
खण्ड – 2 भारतीय औद्योगिक क्षेत्र (Indian Industrial Sector)	इकाई 7- परिघात तथा पृथुषीर्शत्व (Moments and Kurtosis)
इकाई 8- औद्योगिक विकास एवं नीतियाँ (Industrial Development and Policies)	**खण्ड – 3 सहसम्बन्ध एवं प्रतीपगमन (Correlation and Regression)**
इकाई 9- सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (Social Sector Industries)	इकाई 9- सहसम्बन्ध विश्लेषण (Correlation Analysis)
इकाई 10- लघु क्षेत्र उद्यम (Small Sector Industries)	इकाई 8- प्रतीपगमन विश्लेषण (Regression Analysis)
इकाई 11- भारी उद्योग एवं औद्योगिक समस्याएँ (Heavy Industries and Industrial Problems)	इकाई 10- अन्तरगणन एवं बाह्यगणन (Interpolation and Extrapolation)
खण्ड – 3 भारतीय विदेशी व्यापार क्षेत्र (Indian Foreign Trade Sector)	**खण्ड – 4 सूचकांक, प्रतिचयन प्रायिकता एवं द्विपद प्रमेय (Index Number, Sampling, Probability and Binomial Theorem)**
इकाई 12- भारत का विदेशी व्यापार (Foreign Trade of India)	इकाई 11- सूचकांक (Index Number)
इकाई 13- भारत का भुगतान संतुलन (India's Balance of Payment)	इकाई 12- प्रतिचयन के सिद्धान्त और कालश्रेणी विश्लेषण (Theory of Sampling and Time-Series Analysis)
इकाई 14- भारत की व्यापार नीति (Trade Policy of India)	इकाई 13- प्रायिकता सिद्धान्त (Probability Theory)
इकाई 15- भारत का विदेशी व्यापार एवं विश्व व्यापार संगठन (Foreign Trade of India and World Trade Organization)	इकाई 14- द्विपद प्रमेय (Binomial Theorem)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)	
प्रथम प्रश्न-पत्र-	**द्वितीय प्रश्न-पत्र-**
(एमएईसी -601) आर्थिक विकास **(MAEC-601) (Economic Development)** **खण्ड – 1 आर्थिक विकास- अवधारणा एवं मापन (Economic Development- Concept and Measurements)** इकाई 1- आर्थिक संवृद्धि एवं विकास की अवधारणा (Concept of Economic Growth and Development) इकाई 2- आर्थिक विकास का मापन (Measurement of Economic Development) इकाई 3- अल्पविकसित देश- आशय एवं विशेषताएँ (Underdeveloped Country- Meaning and Characteristics) इकाई 4- विकास के निर्धारक घटक एवं अवस्थाएँ (Determinant factors and Stages of Economic Development) **खण्ड – 2 आर्थिक विकास के सिद्धान्त (Theories of Economic Development)** इकाई 5- प्रतिष्ठित सिद्धान्त (Classical Theory) इकाई 6- मार्क्स सिद्धान्त (Karl Marx's Theory) इकाई 7- शूम्पीटर सिद्धान्त (Schumpeterian Theory) इकाई 8- सन्तुलित एवं असन्तुलित वृद्धि का सिद्धान्त (Theory of Balanced and Unbalanced Growth) **खण्ड – 3 अल्प विकास के सिद्धान्त (Theories of Underdevelopment)** इकाई 9 - हार्वे लीबन्स्टीन का सिद्धान्त (Theory of Harvey Leibenstein) इकाई 10-नेल्सन का सिद्धान्त (Theory of Nelson) इकाई 11- रोजेन्सटीन का सिद्धान्त (Theory of Rosenstein) इकाई 12- सामाजिक एवं तकनीकी द्वैतवाद (Social and Technical Dualism) इकाई 13- आर्थर लेविस का सिद्धान्त (Theory of Arthur Lewis) इकाई 14- फाई एवं रेनिस का सिद्धान्त (Theory of Fei-Ranis) इकाई 15- एच. मिन्ट एवं गुन्नार मिर्डल का सिद्धान्त (Theory of H. Mint and Gunnar Myrdal)	**(एमएईसी -602) लोक वित्त** **(MAEC-602) (Public Finance)** **खण्ड – 1 परिचय (Introduction)** इकाई 1- अर्थव्यवस्था में राज्य की आर्थिक क्रियाओं का विश्लेषण (Analysis of State's Economic Activities in Economy) इकाई 2- लोक वित्त की क्षेत्र, प्रकृति और महत्व (Scope, Nature and Importance of Public Finance) इकाई 3- लोक वित्त की अवधारणाएं और बाजार असफलता (Concepts of Public Finance and Market Failure) इकाई 4- निजी वस्तु, लोक वस्तु और मेरिट वस्तु एवं सिद्धान्त (Private Goods, Public Goods and Merit goods and Theories) **खण्ड – 2 लोक व्यय (Public Expenditure)** इकाई 5-लोक व्यय उद्देश्य, आवंटन वितरण और स्थिरीकरण (Public Expenditure: Objectives, Allocation, Distribution and Stabilization) इकाई 6-लोक व्यय के नियम- वैगनर एवं वाइजमैन-पीकाँक (Canons of Public Expenditure- Wagner and Wiseman-Peacock) इकाई 7-लोक व्यय का प्रभाव- उत्पादन, वृद्धि, वितरण और स्थिरीकरण (Effects of Public Expenditure- Production, Growth, Distribution and Stabilization) इकाई 8-कार्यात्मक वित्त (Functional Finance) **खण्ड – 3 लोक राजस्व (Public Revenue)** इकाई 9- करारोपण के सिद्धान्त एवं वर्गीकरण (Canons and Classification of Taxation) इकाई 10- करारोपण का प्रभाव उत्पादन, वृद्धि, वितरण और संसाधनां के आवंटन पर (Effects of Taxation on Production, Growth, Distribution and Allocation of Resources) इकाई 11- करापात एवं कर विवर्तन (Incidence and Shifting of a Tax) **खण्ड – 4 लोक उद्यम (Public Enterprises)** इकाई 12- लोक उद्यमों के प्रकार,महत्व एवं उपयोगिता (Types, Importance and Use of Public Enterprises) इकाई 13- लोक उद्यमों की कीमत नीति प्रबन्धित कीमते एवं आधिक्य सृजन (Public Policy of Public Enterprises, Restricted and Excess Buoyancy) इकाई 14- लोक उद्यमों का कल्याणकारी प्रभाव एवं चुनौतियाँ (Welfare effects and Challenges of Public Enterprises)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)	
तृतीय प्रश्न-पत्र-	**चतुर्थ प्रश्न-पत्र-**
(एमएईसी -603) अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के सिद्धान्त **(MAEC-603) (Theories of International Economics)** **खण्ड – 1 प्रस्तावना एवं सिद्धान्त (Introduction and Theories)** इकाई 1- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार (International Trade) इकाई 2- अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र की विश्लेषणात्मक तकनीक (Analytical Technique of International Economics) इकाई 3- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रतिष्ठित सिद्धांत (Classical Theory of International Trade) इकाई 4- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का नव प्रतिष्ठित सिद्धांत (Neo-Classical Theory of International Trade) इकाई 5- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धान्त (Modern Theory of International Trade)) **खण्ड – 2 व्यापार की शर्तें मुक्त व्यापार संरक्षण एवं सीमा संघ के सिद्धान्त (Terms of Trade, Free Trade, Protection and Custom Union)** इकाई 6- व्यापार की शर्तें और आर्थिक संवृद्धि (Terms of Trade and Economic Growth) इकाई 7- मुक्त व्यापार एवं संरक्षण (Free Trade and Protection) इकाई 8- गैर-टैरिफ व्यापार बाधाएं (Non-Tariff Trade Barriers) इकाई 9- राशिपातन और राज्य व्यापार (Dumping and State Trading) इकाई 10- सीमा संघ के सिद्धान्त (Theory of Customs Union) **खण्ड – 3 भुगतान सन्तुलन (Balance of Payments)** इकाई 11- भुगतान सन्तुलनःपरिभाषा और अवधारणा (Balance of Payments: Definition and Concepts) इकाई 12- विदेशी व्यापार गुणक (Foreign Trade Multiplier) इकाई 13- भुगतान संतुलन में समायोजन के परम्परागत अवशोषण (Conventional Absorption adjustment in Balance of Payments) इकाई 14- मौद्रिक उपागम तथा भुगतान-सन्तुलन में समायोजन (Monetary Approach and Adjustment Mechanism of Balance of Payments) इकाई 15- इष्टतम मुद्रा क्षेत्र सिद्धान्त (Theory of Optimum Currency Area)	**(एमएईसी -604) कृषि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त** **(MAEC-604) (Theories of Agricultural Economics)** **खण्ड – 1 परिचय (Introduction)** इकाई 1- कृषि अर्थशास्त्र की प्रकृति और क्षेत्र (Agricultural Economics: Meaning, Nature and Scope) इकाई 2- आर्थिक विकास में कृषि का महत्व और कृषि उद्योग सम्बन्ध (Importance of Agriculture in Economic Development and Agriculture-Industry Relation) इकाई 3- कृषि क्षेत्र आकार, वृद्धि एवं उत्पादकता की प्रवृत्तियाँ (Agricultural Sector- Size, Growth and Trends of Productivity) इकई 4- भारत में भूमि सुधार (Land Reforms in India) **खण्ड – 2 सत्त कृषि एवं खाद्य सुरक्षा (Sustainable Agriculture and Food Security)** इकाई 5- हरित क्रान्ति और तकनीकी परिवर्तन (Green Revolution and Technical Change) इकाई 6- भारतीय कृषि और मशीनीकरण (Indian Agriculture and Mechanization) इकाई 7- बायो तकनीक एवं आर्गेनिक कृषि (Bio-Tech and Organic Farming) इकाई 8- खाद्य सुरक्षा (Food Security) **खण्ड – 3 उत्पादन फलन, सम्बन्ध एवं नियम (Production Function, Relationship and Rules)** इकाई 9-कृषि उत्पादन फलन और आगत-निर्गत सम्बन्ध (Agricultural Production Function and Input-Output Relationship) इकाई 10- साधन-साधन सम्बन्ध (Factor-Factor Relationship) इकाई 11- उत्पाद-उत्पाद सम्बन्ध (Production-Production Relationship) इकाई 12- कृषि उत्पादन नियमः परिवर्तनशील एवं अनुपातों का नियम (Agricultural Production Rules: Law of Variable Proportions and Return of Scale) **खण्ड – 4 कृषि विकास प्रारूप (Agricultural Development Model)** इकाई 13- लेविस का कृषि विकास प्रारुप (Lewis's Agricultural Development Model) इकाई 14- फाई-रेनिस का कृषि विकास प्रारुप (Fei-Ranis Development Model) इकाई 15- मिलर का कृषि विकास प्रारुप (Miller's Agricultural Development Model) इकाई 16- शुट्ज और बोसरेज का कृषि विकास प्रारुप (Schultz and Boserup Model of Agricultural Development)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

पंचम प्रश्न-पत्र-

(एमएईसी -605) जनांकिकी

(MAEC-605) (Demography)

खण्ड – 1 परिचय (Introduction)

इकाई 1- जनांकिकी-आशय, प्रकृति, क्षेत्र और महत्व (Demography- Meaning, Nature, Scope and Importance)
इकाई 2- माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त (The Malthusian Theory of Population)
इकाई 3- अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त (Optimum Theory of Population)
इकाई 4- जनांकिकी संक्रमण का सिद्धान्त (Theory of Demographic Transition)
इकाई 5- जनसंख्या वृद्धि के घटक एवं उनकी अन्तर्निर्भरता (Components of Population Growth and their interdependence)

खण्ड – 2 जनसंख्या की गुणवत्ता और मापन (Quality of Population and Measurement)

इकाई 6- जनसंख्या की गुणवत्ता की अवधारणा (Concept of Population Quality)
इकाई 7- जनसंख्या की गुणवत्ता के प्रभावकारी कारक (Effective Factors of Population Quality)
इकाई 8- मापन 1. कुल जन्म-दर, प्रजनन दर, कुल प्रजनन दर, पुर्न उत्पादकीय दर, सकल पुनःउत्पादकीय दर, शुद्ध पुनःउत्पादकीय दर एवं अन्तर्सम्बन्ध (Measurement-1 Total Birth Rate, Fertility Rate, Total Fertility Rate, Reproductive Rate, Gross Reproductive Rate, Net Reproductive Rate and interconnection)
इकाई 9- मापन 2. कुल मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, बाल मृत्यु दर, मातृत्व मृत्यु दर, जीवन-प्रत्याशा एवं अन्तर्सम्बन्ध (Measurement-2 Total Mortality Rate, Infant Mortality Rate, Child Mortality Rate Maternal Mortality Rate)

खण्ड – 3 जनसंख्या प्रक्षेपण एवं मानव संसाधन विकास (Population Projection and Human Resource Development)

इकाई 10- जनसंख्या प्रक्षेपण- स्थाई, स्थैतिक एवं अर्ध-स्थैतिक जनसंख्या (Population Projection- Stable, Stationary and Quasi-stationary)
इकाई 11- जीवन सारणी, जन्म-मृत्यु सांख्यिकी,एवं लाजिस्टिक वक्र (Life Tables, Birth and Death Statistics and Logistic Curve)
इकाई 12- मानव संसाधन विकास (Human Resource Development)
इकाई 13- जनसंख्या एवं आर्थिक विकास (Population and Economic Development)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)	
प्रथम प्रश्न-पत्र-	**द्वितीय प्रश्न-पत्र-**
(एमएईसी -606) आर्थिक संवृद्धि एवं नियोजन **(MAEC-606) (Economic Growth and Planning)**	**(एमएईसी -607) राजकोषीय अर्थशास्त्र और संघीय वित्त** **(MAEC-607) (Fiscal Economics and Federal Finance)**
खण्ड – 1 आर्थिक संवृद्धि के प्रारूप (Models of Economic Growth) इकाई 1- हैरोड-डोमर का प्रारूप (Harrod-Domar Models) इकाई 2- सोलोव का प्रारूप (Solow Model) इकाई 3- जे. ई. मीड का विकास प्रारूप (J.E. Meade's Model) इकाई 4- जॉन रॉबिन्सन का प्रारूप (Mrs. Joan Robinson's Model) **खण्ड – 2 संसाधन एवं विकास** इकाई 5- पूँजी निर्माण एवं आर्थिक विकास (Capital Formation and Economic Development) इकाई 6- मानव संसाधन एवं आर्थिक विकास (Human Resources and Economic Development) इकाई 7- अधो संरचना एवं आर्थिक विकास (Infrastructure and Economic Development) इकाई 8- पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं आर्थिक विकास (Environment, Ecology and Economic Development) **खण्ड – 3 विकास के क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य (Regional Perspective of Development)** इकाई 9- कृषि क्षेत्र एवं आर्थिक विकास (Agricultural Sector and Economic Development) इकाई 10- औद्योगिक क्षेत्र और आर्थिक विकास (Industrial Sector and Economic Development) इकाई 11- संस्थान, बाजार,और आर्थिक विकास (Government Institute, Market and Economic Development) इकाई 12- गरीबी के संकेतक तथा प्रमाप (Indicators and Measurements of Poverty) **खण्ड – 4 भारत में आर्थिक नियोजन (Economic Planning in India)** इकाई 13- नियोजन की तकनीकी का चुनाव तथा उपयुक्त तकनीकी विनियोग कसौटी लागत और लाभ विश्लेषण (The Planning for Choice of Technique and Appropriate Technique, Investment Criteria, Cost and Benefit Analysis) इकाई 14- भारत में नियोजन तकनीकी, भारत के नियोजन मॉडल, बाजारोन्मुख अथर्व्यवस्था में नियोजन (Techniques of Planning in India, Planning Model in India, Planning in the Market Economy) इकाई 15- महालनोबिस विकास प्रारूप (Mahalanobis Development Model)	**खण्ड – 1 लोक ऋण (Public Debt)** इकाई 1- लोक ऋण का अर्थशास्त्र एवं प्रकार (Economics of Public Debts and Types) इकाई 2- लोक ऋण के प्रभाव एवं भार (Effects and Burden of Public Debts) इकाई 3- लोक ऋण भुगतान की विधियाँ एवं प्रबन्धन (Methods and Management for Redemption of Public Debts) **खण्ड – 2 संघीय वित्त (Federal Finance)** इकाई 4- संघीय वित्त के सिद्धान्त और समस्याएं (Theory and Problems of Federal Finance) इकाई 5- संघीय वित्त का विभाजन एवं कार्यकरण (Allocation and Functioning of Federal Finance) इकाई 6- वित्त आयोग संरचना एवं कार्यकरण (Structure and Functioning of Finance Commission) इकाई 7- 13वें वित्त आयोग की प्रमुख सिफारिशें (Major Recommendation of 13th Finance Commission) **खण्ड – 3 भारतीय कर प्रणाली एवं बजटिंग (Indian Tax System and Budgeting)** इकाई 8- भारत में कर आधार(प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर एवं गैर -कर आय) (Tax Basis in India (Direct and Indirect and Non-Tax Income)) इकाई 9- राज्य और स्थानीय निकाय की आय के स्रोत (Sources of Income of State and Local Bodies) इकाई 10- संघीय बजट का विश्लेषण एवं सुधार (Analysis and Improvement of Federal Budget) इकाई 11- परम्परागत, निष्पादन और शून्य आधार बजटिंग (Traditional, Performance and Zero Base Budgeting) इकाई 12- घाटे की वित्त व्यवस्था एवं घाटे का मौद्रीकरण और राजकोषीय क्षेत्र सुधार (Deficit Finance and Monetization of Deficit and Fiscal Sector Reforms)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)	
तृतीय प्रश्न-पत्र-	**चतुर्थ प्रश्न-पत्र-**
(एमएईसी -608) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और संस्थान **(MAEC-608) (International Trade and Organizations)** **खण्ड – 1 विदेशी विनिमय नियत्रंण सिद्धान्त एवं भारत की व्यापार नीति** **Principles of Foreign Exchange and Control and Trade Policy of India** इकाई 1- विदेशी विनिमय (Foreign Exchange) इकाई 2- विनिमय नियत्रंण (Foreign Control) इकाई 3- विदेशी विनिमय बाजार का सिद्धान्त विनिमय व्यापार, अन्तर-पणन एवं बाजार हैजिंग (Theory of Foreign Exchange Market, Exchange Trade, Arbitrage and Market Hedging) इकाई 4- भारत की अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार नीति सुधार पूर्व काल (International Trade Policy of India during Post Reform Period) इकाई 5- भारत की अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार नीति सुधार काल (International Trade Policy of India during Reform Period) **खण्ड – 2 अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान (International Institutions)** इकाई 6- वस्तु बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता की दशाओं में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार (International Trade under the Imperfect Competition in the Commodity Market) इकाई 7- क्षेत्रीय गुट बहुपक्षवाद एवं विश्व व्यापार पद्धति (Regional Faction, Multilateralism and World Trade System) इकाई 8- अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund) इकाई 9- विश्व व्यापार तंत्र (World Trade Organization) इकाई 10- वैश्वीकरण-विनिमय बाजार का विकास, यूरो मुद्रा बाजार एवं अन्तर्राष्ट्रीय बॉण्ड बाजार (Globalization- Development of Exchange Market, Euro Currency Market and International Bond Market)	**(एमएईसी -609) भारतीय कृषि** **(MAEC-609) (Indian Agriculture)** **खण्ड – 1 कृषि मूल्य नीति और विपणन (Agricultural Price Policy and Marketing)** इकाई 1- कृषि मूल्य लागत और मूल्य में सम्बन्ध (Agricultural Price- Cost and Price Relationship) इकाई 2- कृषि मूल्य नीति मूल्य और लागत आयोग का स्वरुप एवं भूमिका (Agricultural Price Policy, Nature and Role of Commission for Agricultural Costs and Prices) इकाई 3- कृषि लाभ अधिकतमकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (Agricultural Profit Maximization and Public Distribution System) इकाई 4-कृषि अतिरेक एवं कृषि विपणन व्यवस्था (Agricultural Surplus and Agricultural Marketing System) **खण्ड – 2 कृषि वित्त एवं कृषि प्रबन्धन (Agricultural Finance and Agricultural Management)** इकाई 5- कृषि वित्त के प्रकार,चुनौतियाँ, सम्भावनाएं एवं रणनीतियाँ (Types, Challenges, Prospects and Strategies of Agricultural Finance) इकाई 6- सहकारी वित्त प्रणाली, नाबार्ड और वैद्यनाथ समिति (Co-operative Finance System, NABARD and Vaidyanath Committee) इकाई 7- वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका, कृषि ग्रामीण वित्त संस्थान (Role of Commercial Banks, Non-Agricultural Rural Finance Institute) इकाई 8- कृषि प्रबन्धन: अवधारणा, क्षेत्र और सिद्धान्त (Agricultural Management: Concepts, Areas and Theories) इकाई 9- कृषि प्रबन्धन की वर्तमान प्रवृत्तियाँ एवं कृषि प्रबन्धन की समस्याएं (Current Trends and Problems of Agricultural Management) **खण्ड – 3 कृषि और बाह्य क्षेत्र (Agriculture and External Sector)** इकाई 10- कृषि वस्तुओं का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (International Trade of Agricultural Commodities) इकाई 11- विश्व व्यापार संगठन का भारतीय कृषि पर प्रभाव (Impact of World Trade Organization on Indian Agriculture) इकाई 12- उदारीकरण का घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय कृषि व्यापार पर प्रभाव (Impact of Liberalization on Domestic and International Trade) इकाई 13- बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका (Role of Multinational Corporations)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

पंचम प्रश्न-पत्र-

(एमएईसी -610) जनसांख्यिकी के मुद्दे

(MAEC-610) (Issues of Demographic)

खण्ड – 1 भारत में जनसंख्या (Population in India)

इकाई 1- भारत में जनसंख्या की विभिन्न वर्षो में प्रवृत्तियाँ (Trends of population in different years in India)

इकाई 2- जनसंख्या नीति एवं मूल्यांकन, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग (Population Policy and Evaluation, National Population Commission)

इकाई 3- परिवार नियोजन कार्यक्रम एवं महिला सशक्तीकरण (Family Planning Programme and Women Education)

इकाई 4- स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और प्रशिक्षण से सम्बन्धित नीतियाँ (Policies Related to Health, nutrition, Education and Training)

खण्ड – 2 विश्व जनसंख्या (World Population)

इकाई 5- विश्व जनसंख्या की विभिन्न वर्षो में प्रवृत्तियाँ (Trends of World population in various years)

इकाई 6- जनसंख्या विस्फोट -विकसित एवं विकासशील देशों में जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या विस्फोट (Population Explosion- Population Growth and Explosion in Developed and Developing Countries)

इकाई 7- विकसित और विकासशील देशां में आयु और लिंग संरचना के प्रतिमान, विभिन्न वर्गो में जनसंख्या पिरामिड (Patterns of age and Gender Structure in Developed and Developing Countries)

इकाई 8- सूचकांक - जीवन गुणवत्ता सूचकांक, मानव विकास सूचकांक, गरीबी सूचकांक एवं लिंग समानता (Index- Physical Quality Index, Human Development Index, Poverty Index and Gender Equality)

खण्ड – 3 प्रवासन और नगरीकरण (Migration and Urbanization)

इकाई 9- प्रवासन और नगरीकरण अवधारणा और प्रारुप (Migration and Urbanization- Concept and Models)

इकाई 10- जनसंख्या वृद्धि और उसके प्रतिमान पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन के प्रभाव, प्रवासन के प्रभावकारी कारक (Impact of National and International Migration on Population Growth and Its Paradigm)

इकाई 11- आन्तरिक प्रवासन से सम्बन्धित प्रवासन के सिद्धान्त (Theories of Internal Migration)

इकाई 12- नगरीकरण -विकसित और विकासशील देशों में ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या की वृद्धि एवं वितरण (Urbanization-Population Growth and Distribution of Rural and Urban population in Developed or Developing Countries)

प्रवेश, पाठ्यक्रम आदान-प्रदान और मूल्यांकन की प्रक्रिया (Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation)- अर्थशास्त्र विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर वर्ष में दो बार (ग्रीष्म और शीत सत्र में) प्रवेश की प्रक्रिया है। स्नातकोत्तर स्तर में प्रवेश के लिए स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के दोनों सेमेस्टरों का शुल्क एक साथ रूपये 5150 और द्वितीय वर्ष का शुल्क रूपये 5300 शुल्क लेने का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए शुल्क माफ़ी का प्रावधान है। प्रवेश, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन हेतु विभिन्न वैब-टूल्स का प्रयोग किया जाता है। शिक्षार्थी के मूल्यांकन हेतु अकादमिक सत्र के दौरान सत्रीय-कार्य और वार्षिक परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

सेमेस्टर	शुल्क का विवरण (रूपये में)				
	कार्यक्रम	परीक्षा शुल्क	विविध	डिग्री शुल्क	कुल
I	3000	1000	150		**4150**
II		1000	-		**1000**
III	3000	1000	-		**4000**
IV		1000		**300**	**1300**
कुल	**6000**	**4000**	**150**	**300**	***10450***

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता (Requirement of the Laboratory Support and Library Resources)- विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए के लिए पुस्तकालय की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थी सन्दर्भ पुस्तकों का अध्ययन करते हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रत्येक अध्ययन केंद्र मे भी पुस्तकालय की उपलब्धता है ।

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान (Cost estimate of the Programme and the provisions)- अर्थशास्त्र विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर कार्यक्रम के अन्तर्गत इकाई निर्माण हेतु लेखन हेतु प्रत्येक इकाई में 9500 हजार रूपये की लागत से लगभग 34 लाख 48 हजार रूपये की धनराशि प्रयोग में लाई गयी है।

गुणवत्ता नीति-तंत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम(Quality assurance mechanism and expected programme outcomes)- कार्यक्रम की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ समिति (Expert committee) और अध्ययन बोर्ड (Board of Study) के द्वारा विषय-विशेषज्ञों की सलाह ली जाती है।